Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

सितम्बर 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

- राज्य के 10 हज़ार स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने की योजना 3
- 6 और अस्पतालों में शुरू हुई 'जीविका दीदी की रसोई' योजना 4
- स्वास्थ्य विभाग ने 27 वर्षों बाद राज्य में नई ड्रग पॉलिसी का बुकलेट जारी किया 4
- बिहार के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 5
- बिहार के 20 शिक्षकों को मिला राजकीय शिक्षक पुरस्कार 6
- आईआईटी इनक्यूबेशन सेंटर के जूनियर ब्रांड एंबेसडर बने हर्ष 7
- बिहार में वेटलैंड्स की देखरेख के लिये आर्द्रभूमि मित्र (केयरटेकर) का होगा का चयन 7
- जल संचय के लिये पटना में बनेंगे 21 चेकडैम 8
- बिहार के चार किसानों और दो किसान समूह को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित 9
- दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से किऊल वाया पटना तीसरी-चौथी रेललाइन बिछेगी 10
- बिहार के 4 शीर्ष कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड 10
- एनएमसीएच में देश की सबसे बड़ी लॉन्ड्री का सीएम ने किया शुभारंभ 11
- बिहार म्यूजियम में 'सूर्यकाल' और 'इन अनदर ग्रीन' की प्रदर्शनी 12
- स्व. सर शिवसागर रामगुलाम जी की जयंती पर राजकीय समारोह का आयोजन 12
- पटना में खुलेगा जीएसटी ट्रिब्यूनल बेंच 13
- वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बनेगा गैंडा और गिद्ध संरक्षण केंद्र, बिहार सरकार ने बनाई 'राइनो टास्क फोर्स' 14
- पटना के प्रेमचंद रंगशाला में 'रंग जलसा' की शुरुआत 16
- समाजवादी चिंतक और लेखक सच्चिदानंद सिन्हा को मिला 'सत्राची सम्मान' 17
- इंस्पायर अवॉर्ड के लिये बिहार के 2956 बाल वैज्ञानिक हुए चयनित 17
- आकांक्षी ज़िले की तरह विकसित होंगे आकांक्षी प्रखंड 18
- पटना के आनंदपुर बिहटा में बनेगी बिहार अग्नि प्रशिक्षण अकादमी (बिहार फायर ट्रेनिंग एकेडमी) 19
- पटना-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी 20
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न शहरों में विकास कार्यों के लिये 55 योजनाओं का किया शिलान्यास 21
- बिहार में 'अल्पसंख्यक उद्यमी योजना' शुरू की जाएगी 21
- अनंत मनोहर होंगे राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष 22
- बिहार पहली बार पाँच नेशनल खेलों की करेगा मेज़बानी 22
- बिहार के 174 प्रखंडों में खुलेगा दीदी अधिकार केंद्र 23
- भागलपुर में द्वितीय बैडमिंटन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का हुआ आगाज़ 24
- बिहार में जारी हुआ जातीय आधारित सर्वेक्षण 25
- बिजली के घरेलू उपयोग में बिहार बना देश का तीसरा राज्य 25
- बिहार के सहरसा में खुलेगा जीविका दीदियों का पहला मखाना उद्योग 26

नोट :

बिहार

राज्य के 10 हज़ार स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने की योजना

चर्चा में क्यों ?

3 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार शिक्षा विभाग ने राज्य के दस हज़ार सरकारी विद्यालयों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिये कार्ययोजना बनाई है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने चयनित स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने हेतु ज़िलाधिकारियों एवं उप विकास आयुक्तों को निर्देश दिये हैं।
- कक्षा छह से आठ तक के छात्र-छात्राओं को इस लैब की सुविधा मिलेगी। माध्यमिक विद्यालयों में 20 और मध्य विद्यालयों में 10-10 कंप्यूटर का लैब बनाया जाएगा।

- इस योजना के प्रथम चरण में 4707 विद्यालयों में कंप्यूटर लगाये जाएंगे।
- शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य के सरकारी विद्यालयों में कक्षा छह और इससे ऊपर यानी दसवीं तक के शत-प्रतिशत छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा एवं प्रशिक्षण से जोड़ने पर भी काम किया जा रहा है। इससे करीब 75 लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

6 और अस्पतालों में शुरू हुई 'जीविका दीदी की रसोई' योजना

चर्चा में क्यों?

4 सितंबर, 2023 को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य के दो मेडिकल कॉलेज के साथ चार अनुमंडलीय अस्पतालों में मरीज़ों के लिये 'जीविका दीदी की रसोई' कार्यक्रम को लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- जीविका एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के बीच हुए समझौता के तहत जननायक कर्पूरी ठाकुर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल मधेपुरा एवं भगवान महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज नालंदा (पावापुरी) के शुभारंभ के साथ अनुमंडलीय अस्पताल राजगीर, दानापुर, धमदाहा और फारबिसगंज में 'जीविका दीदी की रसोई' का शुभारंभ किया गया।
- वर्तमान में बिहार सरकार और जीविका के संकल्प के अधीन विभिन्न विभागों और समुदाय आधारित संगठनों के साथ सहयोग से कुल 106 जीविका दीदी की रसोइयों को सफलतापूर्ण संचालित किया जा रहा है।
- इस पहल के अंतर्गत लगभग 100 ग्रामीण दीदी एवं उनके परिवार के सदस्यों को रोज़गार उपलब्ध होगा तथा यह उनके आर्थिक एवं सामाजिक विकास में सहायक बनेगें।
- इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जीविका दीदी की रसोई बिहार सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है। इसका उद्देश्य रोगियों और उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं उच्च गुणवत्ता वाला खाना प्रदान करना है।
- इस महत्त्वपूर्ण पहल के परिणामस्वरूप लगभग 1600 महिलाएँ और उनके परिवार के सदस्यों के जीविकोपार्जन में मूलभूत परिवर्तन देखा गया है।
- उल्लेखनीय है कि बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति द्वारा जीविका दीदी की रसोई के संचालन की शुरुआत वर्ष 2018 में की गई थी।

स्वास्थ्य विभाग ने 27 वर्षों बाद राज्य में नई ड्रग पॉलिसी का बुकलेट जारी किया

चर्चा में क्यों?

- 4 सितंबर, 2023 को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने 27 वर्षों बाद राज्य में नई ड्रग पॉलिसी का बुकलेट जारी किया।

बिहार सरकार
स्वास्थ्य विभाग
HEALTH DEPARTMENT, GOVT. OF BIHAR

प्रमुख बिंदु

- नई ड्रग पॉलिसी के आने के बाद राज्य के नागरिकों को समुचित इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये दवाओं और चिकित्सा सामग्रियों की सरकारी अस्पताल में आवश्यकता आधारित उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही दवाओं की एक्सपाइरी और क्षतिग्रस्त होने की संभावना को न्यून कर दिया जाएगा।
- इस नीति में एक्सपायर और क्षतिग्रस्त दवाओं के नष्ट करने संबंधी दिशा-निर्देश भी तैयार किये गए है।
- नई ड्रग पॉलिसी में दवाओं की आवश्यकता का आकलन कर अधियाचना करने की नीति तैयार की गई है। अब सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी ईडीएल की सभी प्रकार की दवाओं की निरंतर उपलब्धता के लिये आवश्यकता आधारित आकलन कर मांग करने की ज़िम्मेदारी सरकारी अस्पतालों के अधीक्षक, उपाधीक्षक और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को करना है।
- अस्पतालों को अपनी आवश्यकता के अनुसार दवाओं की मांग की तिथि भी निर्धारित कर दी गयी है। अब अस्पताल 1 से 10 जनवरी के बीच अप्रैल, मई और जून के लिये आवश्यक दवाओं की मांग कर सकेंगे। इसी प्रकार 1 अप्रैल से 10 अप्रैल तक जुलाई, अगस्त व सितंबर की दवाओं की मांग की जाएगी अक्तूबर, नवंबर व दिसंबर की दवाओं की मांग 1 से 10 जुलाई के बीच की जाएगी।
- जनवरी, फरवरी और मार्च की दवाओं की मांग अस्पताल के अधीक्षक 1 से 10 अक्तूबर के बीच बीएमएसआईसीएल को भेज देंगे।

प्रभारियों को एक्सपायर होने वाली दवाओं का अलर्ट भेजा जाएगा। वैसी दवाएँ, जो निकट भविष्य में खराब होने वाली हैं, उनसे संबंधित सूचना संस्थान के प्रबंधक, निदेशक, अधीक्षक, उपाधीक्षक, प्रभारी मेडिकल अफसर को एसएमएस, वाट्सएप और ई-मेल के ज़रिये भेजी जाएगी।

बिहार के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये चयनित बिहार के तीन शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में देशभर के कुल 75 चयनित शिक्षकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इस शिक्षक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को पुरस्कार स्वरूप 50 हज़ार रुपए नकद, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- समारोह में बिहार के कैमूर ज़िला स्थित आदर्श बालिका प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगढ़ के शिक्षक अनिल कुमार सिंह, सीतामढ़ी स्थित माध्यमिक विद्यालय मधुबन के शिक्षक द्विजेंद्र कुमार और किशनगंज स्थित हाईस्कूल सिंघिया की शिक्षिका कुमारी गुड्डी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार दिया गया।
- राष्ट्रीय शिक्षक दिवस
  - वर्ष 1962 से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित अन्य शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना है।
  - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार:
  - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शिक्षकों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
  - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
  - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
  - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शिक्षा तथा साक्षरता विभाग द्वारा चयनित शिक्षकों के अतिरिक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा चयनित शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

बिहार के 20 शिक्षकों को मिला राजकीय शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 5 सितंबर, 2023 को बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने पटना में 20 सरकारी शिक्षकों को राजकीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये। राजकीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चयनित 20 सरकारी शिक्षकों में सात महिला शिक्षक हैं।

प्रमुख बिंदु

- यह सम्मान समारोह श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल पटना में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षकों को पुरस्कारस्वरूप 15 हज़ार रुपए का चेक, अंग-वस्त्रम और स्मृति चिह्न प्रदान किये गए।
- सम्मान समारोह के दौरान प्राथमिक शिक्षा निदेशक शिक्षक कल्याण कोष में अधिकतम राशि जमा करने वाले प्रथम तीन ज़िलों के ज़िला शिक्षा पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।
- पटना ज़िले के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य पूनम सिन्हा, राजकीय मूक-बधिर बालक विद्यालय के प्राचार्य सुबीर बनर्जी और प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका नीतू शाही को सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा कटिहार के अर्जुन कुमार साहा, मधुबनी के हाईस्कूल, मलमल की संगीता कुमारी और वैशाली के मध्य विद्यालय, हरिहरपुर के शिक्षक उमेश कुमार यादव को भी सम्मानित किया गया है।

आईआईटी इनक्यूबेशन सेंटर के जूनियर ब्रांड एंबेसडर बने हर्ष

चर्चा में क्यों ?

- 6 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार बाल भवन किलकारी संस्थान के हर्ष राजपूत को आईआईटी पटना में जूनियर ब्रांड एंबेसडर के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में इस संस्थान की ओर से रिसर्च स्कॉलर्स-डे पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें हर्ष को पहला स्थान मिला था।
- यही नहीं, पिछले साल उन्हें नासा की ओर से आयोजित ऑनलाइन वर्कशॉप में जूनियर रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर भाग लेने का अवसर भी मिला था।
- जूनियर ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनका प्राथमिक काम युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है।
- उन्होंने समान विचारधारा वाले युवाओं को एक नवीन मानसिकता विकसित करने, उन्हें लीक से हटकर सोचने, नई संभावनाएँ तलाशने और उनके रचनात्मक विचारों को प्रभावशाली उद्यमों में बदलने के लिये प्रोत्साहित करने में योगदान देने की बात कही।

बिहार में वेटलैंड्स की देखरेख के लिये आर्द्रभूमि मित्र (केयरटेकर) का होगा का चयन

चर्चा में क्यों ?

- 10 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में 45 वेटलैंड्स का हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है तथा वेटलैंड्स की देखरेख के लिये आर्द्रभूमि मित्र (केयरटेकर) का चयन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के 10 ज़िलों में करीब 10 हज़ार 778 हेक्टेयर में फैले 45 वेटलैंड्स का हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य इनके विकास सहित उपयोग की कार्य योजना बनाना है।
- इन दस ज़िलों में मुज़फ्फरपुर, बेगूसराय, खगड़िया, समस्तीपुर, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, बक्सर शामिल हैं। इनमें से समस्तीपुर ज़िले में सबसे अधिक 11 वेटलैंड्स करीब 3910 हेक्टेयर में हैं।
- राज्य चार ज़िलों के चार वेटलैंड्स को रामसर साइट घोषित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने की तैयारी कर रहा है। इनमें पश्चिम चंपारण ज़िले में लगभग 319.7 हेक्टेयर में फैली उदयपुर झील, भागलपुर ज़िले में लगभग छह हज़ार हेक्टेयर में फैली विक्रमशिला डॉल्फिन सेंचुरी, कटिहार ज़िले में लगभग 137 हेक्टेयर में फैली गोगाबिल झील और बक्सर ज़िले में लगभग 125 हेक्टेयर में फैला गोकुल जलाशय शामिल हैं।
- फिलहाल राज्य में बेगूसराय ज़िले का कांवरताल रामसर साइट घोषित किया जा चुका है।
- क्या है रामसर साइट?
- रामसर साइट अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले वेटलैंड्स को घोषित किया जाता है। विश्व के रामसर साइट घोषित वेटलैंड्स के संरक्षण और उसे बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को सहित विश्व की अन्य संस्थाओं द्वारा सहयोग किया जाता है। ईरान के रामसर में साल 1971 को वेटलैंड्स सम्मेलन हुआ था। उसमें कई देशों ने संधि पर हस्ताक्षर किये, जिसमें भारत भी शामिल था।

जल संचय के लिये पटना में बनेंगे 21 चेकडैम

चर्चा में क्यों?

11 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार पटना ज़िले में जल संचय के लिये 21 चेकडैम बनाए जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- अधिकारियों के मुताबिक 31 मार्च, 2024 तक चालू वित्तीय वर्ष में अधिकांश चेकडैम का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
- अधिकारियों के मुताबिक मनरेगा से 18 और कृषि विभाग के माध्यम से तीन चेकडैम बनाने की स्वीकृति मिली है। इसमें 14 चेकडैम बनाने का काम शुरू भी हो गया है।

- पटना ज़िले में पहले 80 चेकडैम बनाने की योजना थी, लेकिन जब इसका भौतिक सत्यापन किया गया तो 21 की ही ज़रूरत महसूस की गई।
- मनरेगा द्वारा बनाए चेकडैम न्यूनतम 1500 वर्ग फीट में होता है। एक चेकडैम बनाने के लिये न्यूनतम 1500 वर्ग फीट क्षेत्र की ज़रूरत होती है। पटना में अधिकतर डैम इससे अधिक एरिया में बन रहे हैं।
- अधिकारियों का कहना है कि एक चेकडैम बनाने पर औसतन 9 लाख रुपए खर्च होते हैं। धनरूआ में एक चेकडैम लगभग बनकर तैयार हो गया है। इसे मॉडल के तौर पर बनाया गया है।
- आहर, पइनतालाब, नहर आदि में पानी नहीं रहने पर किसानों को ट्यूबवेल चलाकर सिंचाई का काम करना पड़ता था। चेकडैम बनने के बाद यह समस्या समाप्त हो जाएगी। चेकडैम में साल भर पानी रखने की व्यवस्था की जा रही है। बारिश का पानी चेकडैम में एकत्रित किया जाएगा। इसी पानी को आहर या पइन के माध्यम से सिंचाई की व्यवस्था की जाएगी।

बिहार के चार किसानों और दो किसान समूह को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 12 सितंबर, 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में चल रहे चार दिवसीय सम्मेलन में बिहार के चार किसान और दो किसान समूह को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- पुरस्कृत होने वाले किसानों में रोहतास के दो, जमुई और मुंगेर के एक-एक किसान शामिल हैं। जबकि किसान समूह में लीची कृषक उत्पादक समूह और भागलपुर कतर्नी चावल उत्पादक समूह हैं।
- व्यक्तिगत रूप से जमुई के अर्जुन मंडल को औषधीय पौधों की खेती का संरक्षण करने के लिये, मुंगेर के सत्यदेव सिंह को चना और तीसी के प्रभेद संरक्षित करने के लिये, रोहतास के किसान दिलीप कुमार सिंह को बैगन, टमाटर, करेला एवं धनिया के सफेद प्रभेद को संरक्षित करने के लिये और रोहतास के ही अर्जुन सिंह को चावल, हल्दी एवं लौकी को संरक्षित करने के लिये पुरस्कृत किया गया है।
- पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षक प्राधिकरण की ओर से आयोजित कार्यक्रम में किसान समूह को पुरस्कार स्वरूप दस-दस लाख रुपए और व्यक्तिगत किसान को एक-एक लाख रुपए मिले।

दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से किऊल वाया पटना तीसरी-चौथी रेललाइन बिछेगी

चर्चा में क्यों ?

- 13 सितंबर, 2023 को दानापुर डीआरएम ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद रामकृपाल यादव ने बताया कि रेल मंत्रालय किऊल से दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक तीसरी व चौथी रेललाइन का निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- रेल मंत्रालय ने फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) के लिये 7.80 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं, जिसमें 390 किमी. लंबी रेललाइन निर्माण का भी सर्वे होगा, जिससे वर्तमान दोहरी मेन लाइन के अतिरिक्त किऊल-पटना-दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के बीच दो और नई लाइन का निर्माण होगा।
- दानापुर यार्ड में तीसरी रेललाइन का निर्माण किया जाएगा, जिससे उत्तर बिहार एवं पटना की ओर से आने-जाने वाली गाड़ियों का परिचालन निर्बाध रूप से किया जा सकेगा। वहीं, बिहटा से औरंगाबाद रेलवे लाइन के लिये जल्द ही सर्वे शुरू होगा।
- हावड़ा-नई दिल्ली रेललाइन के पटना क्षेत्र से जुड़े चार महत्त्वपूर्ण स्टेशनों- दानापुर, पटना, पाटलिपुत्र और राजेंद्रनगर टर्मिनल को विकसित करने के लिये मास्टर प्लान बनाया जा रहा है।
- दानापुर मंडल के अंतर्गत सदीसोपुर, कुर्जी मोहम्मदपुर, गोनपुरा एवं जटडुमरी स्टेशनों में गुड्स शेड का निर्माण किया जाएगा। सदीसोपुर एवं कुर्जी मोहम्मदपुर में पूर्णरूप से स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा।
- सदीसोपुर से रेललाइन के ऊपर रेललाइन (आरओआर) निर्माण का सर्वे शुरू होगा। यह आरओआर कुर्जी मोहम्मदपुर स्टेशन पर आकर मिलेगी।

बिहार के 4 शीर्ष कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

- 16 सितंबर, 2023 को दिल्ली के विज्ञान भवन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के शीर्ष वरिष्ठतम (75 साल से अधिक के) कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड के अमृत अवार्ड से सम्मानित किया, जिसमें बिहार के 4 शीर्ष कलाकार भी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- इनमें बिहार के वरिष्ठ कलाकार सुमन कुमार, गणेश प्रसाद, रघुवीर मलिक तथा लोकप्रिय लोकगायक भरत सिंह भारती शामिल हैं।
- बिहार के लोक गायक, संगीतकार, गीतकार और संगीत गुरु भरत सिंह भारती को लोक गायन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये यह सम्मान दिया गया।
- भरत सिंह भारती ने 1000 से अधिक गीत गाए और लिखे हैं। उन्होंने सैकड़ों भोजपुरी गीतों को संगीतबद्ध भी किया है। उनके गीतों के दो संग्रह 'नयका बिहान' और 'सप्त सरोवर' आ चुके हैं।

एनएमसीएच में देश की सबसे बड़ी लॉन्ड्री का सीएम ने किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 15 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एनएमसीएच) में देश के सबसे बड़े एकीकृत लॉन्ड्री सुविधा का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- यह इकाई देश के साथ-साथ बिहार की भी सबसे बड़ी व पहली यूनिट है। इसकी क्षमता प्रतिदिन 12-14 टन की है।
- यहाँ पीएमसी एचएनएमसीएच इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान जैसे स्वास्थ्य संस्थानों के चादर, तौलिये व अन्य कपड़ों की एक साथ धुलाई होगी। यह अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।
- यहाँ गुणवत्तापूर्ण सफाई के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्विक क्लीन एजेंसी को संचालन की जिम्मेवारी सौंपी गई है।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एनएमसीएच परिसर में प्री फैब तकनीक से निर्मित 100 बेड के फील्ड अस्पताल भवन का उद्घाटन भी किया।

बिहार म्यूजियम में 'सूर्यकाल' और 'इन अनदर ग्रीन' की प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों ?

- 15 सितंबर, 2023 को बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने बिहार म्यूजियम बिनाले के तहत इजरायली कलाकारों की प्रदर्शनी 'इन अनदर ग्रीन'और 'मेंटर आर्ट'मुंबई के सौजन्य से सूर्य पर केंद्रित एक कला प्रदर्शनी- 'सूर्यकाल' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- 'इन अनदर ग्रीन'प्रदर्शनी बाल दीर्घा के अध्ययन केंद्र में लगाई गई है। प्रदर्शनी में दो कलाकार लियोर ग्रेडी और योसेफ जोसफ यातोव दाडोने की पेंटिंग्स शामिल हैं।
- बिहार म्यूजियम के मल्टीपर्पस हॉल में 'सूर्यकाल' प्रदर्शनी लगायी जा रही है, जो नवंबर तक प्रदर्शित की जाएगी।
- यह प्रदर्शनी उदयराज गडनीस की सूर्य श्रृंखला के विलक्षण चित्रों के साथ पटना के रहने वाले वरिष्ठ छायाकार शैलेंद्र कुमार के छठ पर्व के छायाचित्रों को प्रस्तुत करेगी।

स्व. सर शिवसागर रामगुलाम जी की जयंती पर राजकीय समारोह का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2023 को पटना के गांधी मैदान में मारिशस के प्रथम मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं छठे गवर्नर-जनरल स्व. सर शिवसागर रामगुलाम की प्रतिमा के समीप राजकीय समारोह का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्व. सर शिवसागर रामगुलाम जी की जयंती के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
- इस अवसर पर सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन-कीर्तन एवं बिहार गीत का गायन किया गया।
- सर शिवसागर रामगुलाम
  - सर शिवसागर रामगुलाम मारिशस के प्रथम मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं छठे गवर्नर-जनरल थे।
  - वे 1968 से 1982 तक मारिशस के प्रधानमंत्री थे। वे हिन्दू धर्म के अनुयायी, हिन्दी भाषा के पक्षधर और भारतीय संस्कृति के पोषक थे।

- इनके कार्यकाल में हिन्दी के पठन-पाठन में बहुत प्रगति हुई। विपरीत परिस्थितियों और अभाव के रहते हुए भी उन्होंने हिन्दी के विकास में कोई कमी नहीं रखी।

- उन्होंने ही सर्वप्रथम विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना का विचार दिया था।
- सर शिवसागर राम गुलाम को मॉरीशस के राष्ट्रपिता का दर्जा प्राप्त है।
- बिहार के भोजपुर ज़िले के हरिगाँव को मॉरीशस के राष्ट्रपिता सर शिवसागर रामगुलाम के पुर्वजों की भूमि के नाम से भी जाना जाता है।

पटना में खुलेगा जीएसटी ट्रिब्यूनल बेंच

चर्चा में क्यों ?

- 18 सितंबर, 2023 को बिहार की राजधानी पटना में जीएसटी ट्रिब्यूनल जल्द ही शुरू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जीएसटी ट्रिब्यूनल बेंच बनने के बाद कारोबारी पटना हाइकोर्ट के बदले जीएसटी ट्रिब्यूनल में जा सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- जीएसटी कानून के तहत विभागीय कार्रवाई में कारोबारियों पर निकाली गई डिमांड पर पहली अपील कमिश्नर के पास की जाती है अगर कोई कारोबारी कमिश्नर की सुनवाई से संतुष्ट न हो तो उन्हें पटना हाइकोर्ट जाना पड़ता है।
- जीएसटी ट्रिब्यूनल में रजिस्ट्रशन रिजेक्ट रिफंड, इ-वे बिल,आइटीसी से संबंधित मामले और विवादित जीएसटी संबंधित मामलों का कम समय में निबटारा होगा।
- जीएसटी ट्रिब्यूनल में 4 सदस्यों की नियुक्ति होगी, जिसमें दो न्यायिक और दो टेक्निकल सदस्य होंगे।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बनेगा गैंडा और गिद्ध संरक्षण केंद्र, बिहार सरकार ने बनाई 'राइनो टास्क फोर्स'

चर्चा में क्यों ?

- 17 सितंबर, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार सरकार ने वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) में गैंडों के संरक्षण के उपाय सुझाने के लिये 'राइनो टास्क फोर्स' गठित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी सिफारिशों के आधार पर वीटीआर में गैंडा संरक्षण योजना शुरू होगी।

प्रमुख बिंदु

- सूत्रों के अनुसार बिहार में गैंडा और गिद्ध संरक्षण को केंद्र सरकार ने अपनी योजना में शामिल कर लिया है। साथ ही आर्थिक मदद के तौर पर पहली किस्त की राशि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को भेजने की शुरुआत भी कर दी है।
- विभाग ने गैंडा और गिद्ध का संरक्षण फिलहाल वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) में करने की योजना बनाई है। इस पर सैद्धांतिक रूप से काम शुरू हो गया है। अगले दो वर्षों में वीटीआर में गैंडा बाहुल्य क्षेत्रों को पाँच प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।
- गैंडों को भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बाहर निकाला जाएगा और वीटीआर में चिह्नित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। संभावित क्षेत्रों के रूप में गनौली और मदनपुर की पहचान की गई है।
- इस योजना का उद्देश्य गैंडों को प्रजनन और अपनी संख्या बढ़ाने के लिये अधिक जगह उपलब्ध कराना है। फिलहाल वीटीआर में केवल एक गैंडा और पटना चिड़ियाघर में 14 गैंडे हैं।
- विलुप्त हो रहे गिद्धों को राज्य में संरक्षण के लिये वीटीआर का चयन किया गया है। वहाँ ऐसे स्थानों की पहचान की जा रही है जहाँ गिद्ध दिखते हैं। उन जगहों पर गिद्धों के खाने की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। साथ ही टावर बनाकर गिद्धों पर निगरानी रखी जाएगी। एंटी पोचिंग कैंप बनाए जाएंगे। राज्य में फिलहाल गिद्ध वीटीआर के अलावा सुपौल ज़िले में कुछ संख्या में दिखते हैं।

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एपीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि बाघ के बाद राज्य में गैंडा और गिद्ध संरक्षण को केंद्र सरकार ने अपनी योजना में शामिल कर लिया है। अब हर साल आर्थिक मदद मिल सकेगी।
- गिद्ध संकटग्रस्त प्रजातियों की श्रेणी में आ गए हैं। इनको बचाने के लिये दुनियाभर में प्रयास हो रहे हैं। इनके सहित 'गैंडा संरक्षण योजना' पर पिछले साल राज्य योजना से खर्च की गई थी। इसे बचाने के लिये क्षेत्र का चयन किया गया और लोगों में जागरूकता का प्रयास शुरू हुआ।
- पटना जू में 20 से 22 सितंबर तक 'राइनो वीक' मनाया जाएगा। जू प्रशासन ने बताया कि असम से लाए गए ब्लैक पैंथर और राइनो के एडॉप्शन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और एसबीआई को प्रस्ताव भेजा गया है। अगर उनकी सहमति हुई, तो 22 सितंबर को इनका एडॉप्शन समारोह होगा।
- 20 सितंबर को एक्सपर्ट मीट का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न जू जैसे असम जू, वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश, नयी दिल्ली के राइनो एक्सपर्ट भाग लेंगे। 21 सितंबर को राइनो क्विज, राइनो केयर का डिस्प्ले, थीमेटिक पॉट पेंटिंग कंपीटिशन का आयोजन किया जाएगा।
- विदित है कि हर साल 22 सितंबर को 'विश्व राइनो दिवस' मनाया जाता है। पटना जू का राइनो के संरक्षण में अहम योगदान रहा है। यहाँ राइनो ब्रीडिंग सेंटर भी है। ऐसे में यहाँ आने वाले लोगों को इसके बारे में जानने का मौका मिलेगा।

नोट :

पटना के प्रेमचंद रंगशाला में 'रंग जलसा' की शुरुआत

चर्चा में क्यों ?

19 सितंबर, 2023 को निर्माण कला मंच की ओर से पटना के प्रेमचंद रंगशाला में तीन दिवसीय रंग जलसा की शुरुआत हुई।

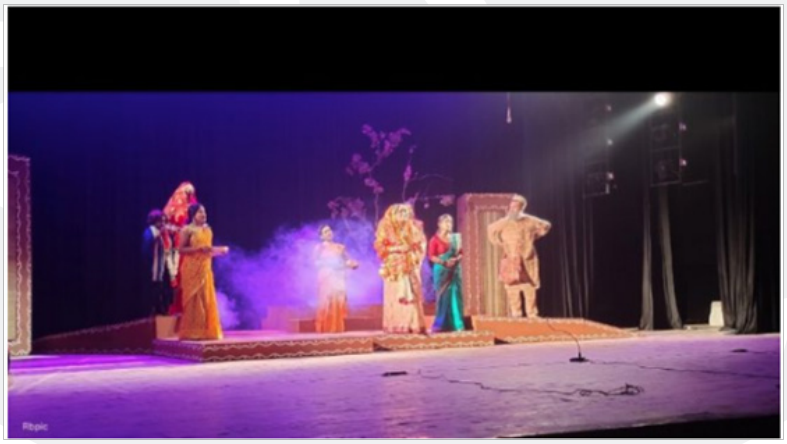

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में उषा किरण खान को 'रंग शांति स्मृति सम्मान' दिया गया।

नोट :

- रंगशाला में उषा किरण खान द्वारा लिखित और संजय उपाध्याय द्वारा निर्देशित नाटक 'कहाँ गए मोरे उगना' की प्रस्तुति की गई तथा एचएमटी के बैनर तले भारतेंदु हरिश्चंद्र लिखित नुक्कड़ नाटक 'अंधेर नगरी' का भी प्रदर्शन किया गया।
- संगीत प्रधान नाटक का केंद्र कवि विद्यापति थे, जिसमें छह सौ साल पहले के विद्यापति और उनके समाज को आज के बाबा नागार्जुन, राजकमल और रेणु के साथ जोड़कर ले चलने का नाटकीय प्रयोग किया गया।

समाजवादी चिंतक और लेखक सच्चिदानंद सिन्हा को मिला 'सत्राची सम्मान'

चर्चा में क्यों ?

- 20 सितंबर, 2023 को मुज़फ्फरपुर में आयोजित एक समारोह में समाजवादी चिंतक और लेखक सच्चिदानंद सिन्हा को सत्राची फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2023 का 'सत्राची सम्मान' प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- प्रसिद्ध लेखक-चिंतक और राजनीतिक बुद्धिजीवी सच्चिदानंद सिन्हा को सम्मान-स्वरूप इक्यावन हज़ार रुपए का चेक, मानपत्र, अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया।
- विदित है कि सत्राची सम्मान 2023 के लिये प्रो. वीर भारत तलवार की अध्यक्षता में चयन समिति गठित की गई थी।
- उल्लेखनीय है कि सत्राची फाउंडेशन, पटना के द्वारा 'सत्राची सम्मान' की शुरुआत 2021 में की गई थी। 'सत्राची सम्मान' का उद्देश्य 'न्यायपूर्ण सामाजिक सरोकारों से जुड़े लेखन को रेखांकित करना' है।
- 2021 में प्रेमकुमार मणि और 2022 में प्रो. चौथीराम यादव इस सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं।
- सच्चिदानंद सिन्हा
  - सच्चिदानंद का जन्म 1928 में हुआ था।
  - सच्चिदानंद सिन्हा जीवनभर एक लेखक, विचारक, वक्ता, पत्रकार, संपादक और कार्यकर्त्ता के रूप में सक्रिय रहे। उनकी वैचारिकी के स्रोत समाजवादी विचारधारा के भीतर मौजूद रहे, मगर उन्होंने समाजवादी राजनीति और उसके नेताओं के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि रखने में अपना विश्वास जताया।
  - उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें : केअस एंड क्रिएशन (अरूप और आकार), संस्कृति विमर्श, संस्कृति और समाजवाद, मानव सभ्यता और राष्ट्र-राज्य, एडवेंचर्स ऑफ लिबर्टी (आज़ादी के अपूर्व अनुभव), जिंदगी : सभ्यता के हाशिये पर, कड़वी फसल, निहत्था पैगंबर, मार्क्सवाद की लोहियावादी समीक्षा, नक्सली आंदोलन का वैचारिक संकट, इमरजेंसी इन पर्सपेक्टिव - रिप्रीव एंड चैलेंज इत्यादि है।

इंस्पायर अवॉर्ड के लिये बिहार के 2956 बाल वैज्ञानिक हुए चयनित

चर्चा में क्यों ?

- 20 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार इंस्पायर अवॉर्ड के तहत शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सूबे के 2956 बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- चयनित स्कूली बच्चों को दस-दस हज़ार रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी, जिससे वे विज्ञान मॉडल तैयार करेंगे। इसके बाद ज़िला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होंगे।
- चयनित स्कूली बच्चे इंस्पायर माडल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। ज़िला स्तरीय प्रदर्शनी 26 और 27 सितंबर को होगी। इसमें चयन होने पर राज्य स्तर में 29-30 सितंबर को मौका मिलेगा। और राष्ट्रीय स्तर की मॉडल प्रतियोगिता 9 से 11 अक्टूबर के बीच आयोजित की जाएगी।

- विदित है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग हर साल स्कूली बच्चों में विज्ञान की सोच बढ़ाने के लिये इंस्पायर अवॉर्ड का आयोजन करता है। इसमें छठी से 10वीं तक के छात्रों से विज्ञान का आइडिया मांगा जाता है।
- इस साल सबसे ज़्यादा औरंगाबाद से 330 और वैशाली से 311 छात्रों का चयन हुआ है। पटना ज़िला से मात्र 110 छात्रों का ही चयन हुआ है।

सत्यमेव जयते
Department of Science & Technology
Govt. of India
inspire

- ज़िलावार चयनित बाल वैज्ञानिक : अररिया-6, अरवल-3, औरंगाबाद-330, बांका-152, बेगूसराय-54, भागलपुर-165, भोजपुर-28, बक्सर-21, दरभंगा-31, गया-256, गोपालगंज-8, जमुई-30, जहानाबाद-49, कैमूर-81, कटिहार-63, खगड़िया-32, किशनगंज-60, लखीसराय-10, मधेपुरा-24, मधुबनी-11, मुंगेर-16, मुज़फ्फरपुर-113, नालंदा-107, नवादा-38, पश्चिमी चंपारण-51, पटना-110, पूर्वी चंपारण-48, पूर्णिया-162, रोहतास-112, सहरसा-12, समस्तीपुर-148, सारण-128, शेखपुरा-14, शिवहर-12, सीतामढ़ी-23, सिवान-121, सुपौल-16, वैशाली-311।
- गौरतलब है कि प्रदेश से वर्ष 2021 में 4653 और 2020 में 4032 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ था।

आकांक्षी ज़िले की तरह विकसित होंगे आकांक्षी प्रखंड

चर्चा में क्यों ?

- 21 सितंबर, 2023 को नीति आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार आकांक्षी ज़िला की तर्ज़ पर बिहार के 61 आकांक्षी प्रखंड भी विकसित किये जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- इन प्रखंडों में स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन वित्तीय समावेशन और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना है। बेहतर प्रदर्शन करने पर प्रखंडों को बतौर पुरस्कार अलग से राशि भी दी जाएगी।
- जिन प्रखंडों में विकास होना है, उनके लिये पंचायत स्तर पर चिंतन शिविर आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत बेगूसराय ज़िले के तेघड़ा प्रखंड से की जा चुकी है।
- आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी योजना विकास विभाग को दी गई है। योजना एवं विकास विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

पटना के आनंदपुर बिहटा में बनेगी बिहार अग्नि प्रशिक्षण अकादमी (बिहार फायर ट्रेनिंग एकेडमी)

चर्चा में क्यों ?

- 24 सितंबर 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार गृह विभाग ने राजधानी पटना के आनंदपुर बिहटा स्थित बिहार अग्नि प्रशिक्षण अकादमी (बिहार फायर ट्रेनिंग एकेडमी) के सृजन को मंज़ूरी दे दी है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यहाँ बिहार अग्निशमन सेवा के अंतर्गत अग्निशमन सेवा के तमाम पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। राज्य के अग्निशमन कर्मी आग बुझाने की आधुनिक तकनीकों से लैस होंगे।
- अकादमी भवन के निर्माण एवं प्रशिक्षण इत्यादि को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है।
- बिहार अग्निशमन सेवा नियमावली, 2021 के तहत बिहार अग्नि प्रशिक्षण अकादमी में उप निदेशक स्तर के प्राचार्य का प्रावधान किया गया है।
- बिहार अग्नि प्रशिक्षण अकादमी भवन की डिज़ाइन के लिये दूसरे राज्यों में संबंधित अधिकारियों को भेजकर अध्ययन कराया गया है।

पटना-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

चर्चा में क्यों ?

- 24 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने कुल 9 वंदेभारत ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें पटना-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन भी शामिल थी। पटना जंक्शन पर भी उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- पटना से हावड़ा के बीच चलने वाली वंदेभारत ट्रेन दो राज्यों को जोड़ेगी। वहीं बिहार में चलने वाली यह दूसरी वंदेभारत ट्रेन है।
- पटना-हावड़ा वंदे भारत अपने पहले सफर पर पटना के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से रवाना हुई । पहले दिन वह उद्घाटन स्पेशल बनकर हावड़ा गई।
- इस ट्रेन की कमान दो महिला लोको पायलटों को सौंपी गई थी।
- 26 सितंबर से इसका नियमित परिचालन होगा। ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। इस ट्रेन में कुल आठ कोच हैं।

- वंदे भारत ट्रेन का ठहराव पटना साहिब, मोकामा, लक्खीसराय, जसीडीह, जामताड़, आसनसोल, दुर्गापुर, हावड़ा पर रहेगा।
- पटना से हावड़ा की दूरी तय करने में इस ट्रेन को जनशताब्दी से एक घंटे कम समय लगेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न शहरों में विकास कार्यों के लिये 55 योजनाओं का किया शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 23 सितंबर, 2023 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में स्मार्ट सिटी बिल्डिंग के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से रिमोट के माध्यम से राज्य के विभिन्न शहरों में 55 योजनाओं का शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत विभिन्न ज़िलों में बारिश के पानी की निकासी के लिये स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजनाओं, शवदाह गृह सह मोक्षधाम व पेयजल आपूर्ति से जुड़ी 55 योजनाएँ हैं। इन योजनाओं पर 2355.96 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- मुख्यमंत्री द्वारा पटना में शुरू की गई इन योजनाओं में 586.44 करोड़ की लागत से दरभंगा, आरा, मधेपुरा, समस्तीपुर, दानापुर की स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज व पेयजल की 6 योजनाएँ भी शामिल हैं।
- इसके अलावा 1283 करोड़ की लागत से पटना शहर में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज की 10 योजनाओं पर भी काम प्रारंभ किया गया।
- मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-2 के तहत 36 ज़िलों के 38 नगर निकायों में शवदाह गृह सह मोक्षधाम की 38 योजनाओं का भी शिलान्यास किया।
- इन 38 नगर निकायों में सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज, मनिहारी, बांका खगड़िया, मधेपुरा अररिया, सुपौल, दरभंगा, भभुआ, अरवल, रिविलगंज जहानाबाद, कटिहार, सासाराम सहरसा, सीवान, शेखपुरा, बक्सर, लखीसराय, मुजफ्फरपुर, बीहट, बिहार शरीफ, भागलपुर, मोतिहारी सुल्तानगंज, गोपालगंज, गया, मुंगेर शिवहरआरा, औरंगाबाद, बेतिया, हाजीपुर, जमुई, समस्तीपुर और नवादा शामिल है।

बिहार में 'अल्पसंख्यक उद्यमी योजना' शुरू की जाएगी

चर्चा में क्यों ?

- 25 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट ने प्रदेश के अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने और स्वरोज़गार को बढ़ाने के लिये 'अल्पसंख्यक उद्यमी योजना' की स्वीकृति दी है।

प्रमुख बिंदु

- उद्यमी योजना में 100 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए हैं। इस योजना के तहत उद्योग स्थापित करने वाले लाभुकों को कुल परियोजना लागत (प्रति इकाई) अधिकतम 10 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की जाएगी।
- इसमें से 50 प्रतिशत राशि अधिकतम पाँच लाख रुपए ऋण एवं 50 प्रतिशत राशि अधिकतम पाँच लाख रुपए अनुदान के रूप में होगी।

- इस योजना के तहत केवल नए उद्योग लगाने के लिये ही राशि दी जाएगी। यह योजना संकल्प जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी।
- अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्ति इस योजना के पात्र होंगे। अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाएँ अपनी इच्छा के अनुसार, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना अथवा मुख्यमंत्री महिला उद्यमी में से किसी एक योजना में आवेदन करने की पात्र होंगी।
- विदित है कि पूर्व में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति, अनसूचित जनजाति, अतिपिछड़ा वर्ग, युवा उद्यमी, महिला उद्यमी योजना लागू की गई हैं।

अनंत मनोहर होंगे राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद के चयन के लिये आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से पटना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अनंत मनोहर बदर का चयन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के चयन के लिये बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी तथा विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय सिन्हा शामिल हुए।
- विधान परिषद के सभापति ने अनंत मनोहर बदर के नाम का प्रस्ताव किया। सर्वसम्मति से उनके नाम पर सहमति प्रदान की गई। विधान परिषद में विपक्ष के नेता हरि सहनी बैठक में उपस्थित नहीं थे, लेकिन उन्होंने विधानसभा में विपक्ष के नेता को निर्णय के लिये अधिकृत किया था।
- अनंत मनोहर बदर का जन्म 10 अगस्त 1961 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1985 में वकील के रूप में अपने करियर की शुरुआत बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच से की। वे नवंबर 2000 में ज़िला न्यायाधीश के रूप में महाराष्ट्र न्यायिक सेवा में शामिल हुए। 3 मार्च, 2014 को बॉम्बे हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश बने। उन्हें मई 2020 में केरल और फिर पटना हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया।

बिहार पहली बार पाँच नेशनल खेलों की करेगा मेज़बानी

चर्चा में क्यों ?

- 26 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 67वें राष्ट्रीय खेल में बिहार पहली बार पाँच नेशनल खेलों की मेज़बानी करेगा।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का 67वाँ नेशनल स्कूल गेम्स का आगाज अक्तूबर 2023 में होने जा रहा है, जो फरवरी 2024 तक चलेगा।
- इसमें चार खेल क्रिकेट, एथलेटिक्स, फुटबॉल, वेट लिफ्टिंग पटना के अलग-अलग खेल मैदान में और एक सेपक टाकरा खेल कटिहार में होगा।
- एथलेटिक्स अंडर-14 बालक-बालिका पटना में दिसंबर के चौथे सप्ताह में, वेटलिफ्टिंग अंडर-17 बालक-बालिका पटना में दिसंबर के चौथे सप्ताह में, फुटबॉल अंडर-17 बालिका पटना दिसंबर के चौथे सप्ताह में, क्रिकेट अंडर-17 बालक पटना जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में और सेपक टाकरा अंडर-17 व 19 बालक-बालिका कटिहार में जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में होंगे।

बिहार के 174 प्रखंडों में खुलेगा दीदी अधिकार केंद्र

चर्चा में क्यों ?

- 27 सितंबर, 2023 को बिहार में जीविका के परियोजना प्रबंधक नीरज कुमार ने बताया कि बिहार के 174 प्रखंडों में दीदी अधिकार केंद्र खोले जाएंगे। अधिकार दीदी जीविका समूह में से ही चयनित एक दीदी होंगी।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- नीरज कुमार ने बताया कि अस्पतालों में खुले हेल्प डेस्क की तरह ही ब्लॉक में दीदी अधिकार केंद्र खोले जाएंगे। लोग ब्लॉककर्मियों के पास जाने से पहले अधिकार दीदी से मिलेंगे। वह ब्लॉक पर जिस कार्य के लिये आए हैं, उसकी जानकारी देंगे, इसके बाद अधिकार दीदी उन्हें संबंधित कर्मियों से समन्वय कराएंगी।
- कई लोग अधिकारियों और कर्मियों तक नहीं पहुँच पाते, इसके कारण उनका काम नहीं हो पाता है। कुछ लोगों को यह भी पता नहीं होता है कि उनका काम कहाँ होगा। ऐसे लोगों को अधिकार दीदी से मदद मिलेगी।
- यह केंद्र प्रखंड परिसर में ही होगा। चल रहे कार्यों की निगरानी एवं दलालों पर नज़र अधिकार दीदी ही रखेंगी। वहीं, अधिकार दीदी के कार्य पर क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) की नज़र रहेगी।

भागलपुर में द्वितीय बैडमिंटन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का हुआ आगाज़

चर्चा में क्यों ?

- 28 सितंबर, 2023 को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा भागलपुर में स्थित इंडोर स्टेडियम में द्वितीय बैडमिंटन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की शुरुआत हुई।

प्रमुख बिंदु

- यह कार्यक्रम 30 सितंबर तक चलेगा। इसमें राज्य के विभिन्न ज़िलों के 240 से ज़्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।
- भागलपुर स्थित इंडोर स्टेडियम में द्वितीय बैडमिंटन प्रतिभा कार्यक्रम अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

- ज़िला खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा हैदराबाद में संचालित गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।
- पहले दिन खेले गए मुकाबले में अंडर-15 बालिका वर्ग में समस्तीपुर की अंशिका आर्य विजेता बनीं। लखीसराय की यशिका आनंद उपविजेता रहीं। अंडर-17 बालिका वर्ग में खगड़िया की शिवांगी कुमारी विजेता और मधुबनी की रिया कुमारी उपविजेता बनीं।

बिहार में जारी हुआ जातीय आधारित सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

2 अक्तूबर, 2023 को बिहार में विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर जातीय गणना के आँकड़े जारी किये।

प्रमुख बिंदु

- आँकडों के अनुसार राज्य में अत्यंत पिछड़ा व पिछड़ा वर्ग की आबादी 63% है। इनमें पिछड़ा वर्ग 27.12 व अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36.01% है। वहीं अनुसूचित जाति 19.65% और अनुसूचित जनजाति 1.68% है, जबकि अनारक्षित (हिंदू व मुसलमान) की संख्या कुल आबादी का 15.52% है। उनमें सवर्ण (भूमिहार, ब्राह्मण, राजपूत व कायस्थ) 10.56% हैं
- जातीय गणना के प्रथम चरण में घरों के सर्वे की प्रक्रिया 7 जनवरी, 2023 से शुरू हुई। इसे 31 जनवरी तक पूरा किया गया। दूसरा चरण 15 अप्रैल से 15 मई तक चलना था, किंतु 4 मई को हाईकोर्ट के आदेश पर गणना कार्य रुक गया। हाईकोर्ट ने 1 अगस्त को हरी झंडी दी।
- 11 साल में 2.66 करोड़ की वृद्धि के साथ राज्य की आबादी 13 करोड़ 7 लाख हो गई है। वहीं जाति आधारित गणना की जारी रिपोर्ट में जातियों की संख्या 214 बताई गई है।
- उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद पहली बार देश में किसी राज्य में जातीय आधारित सर्वेक्षण जारी हुआ। बिहार के पहले कर्नाटक, तेलंगाना, ओड़िशा आदि राज्यों ने जातीय गणना की पहल किये थे, लेकिन वे रिपोर्ट जारी नहीं कर सके थे।

बिजली के घरेलू उपयोग में बिहार बना देश का तीसरा राज्य

चर्चा में क्यों ?

2 अक्तूबर, 2023 को जारी केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के मामले में बिहार देश में तीसरे पायदान पर आ गया है। पहले पायदान पर असम और दूसरे पायदान पर झारखंड है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार असम में कुल उपभोक्ताओं में सबसे अधिक 93 फीसदी घरेलू बिजली उपभोक्ता हैं, जबकि दूसरे पायदान पर रहे झारखंड में 92.6 फीसदी उपभोक्ता घरेलू श्रेणी के हैं।

- वहीं बिहार में उत्तर बिहार (नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) में 92.1 फीसदी तो दक्षिण बिहार (साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) में 86.8 फीसदी घरेलू बिजली उपभोक्ता हैं।
- अन्य राज्यों में जहाँ बिजली की खपत कम हो गई थी वहीं बिहार में यह खपत बढ़ गई। लोगों ने घरों में बैठकर इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का खूब इस्तेमाल किया।
- उत्तर बिहार में शहरी उपभोक्ता मात्र 16 फीसदी जबकि दक्षिण बिहार में 29 फीसदी हैं। ग्रामीण इलाकों में उत्तर बिहार में 84 फीसदी तो दक्षिण बिहार में 71 फीसदी उपभोक्ता हैं। गैर घरेलू बिजली उपभोक्ताओं में उत्तर बिहार में छह फीसदी तो दक्षिण बिहार में 7.7 फीसदी हैं।
- औद्योगिक कनेक्शन में उत्तर बिहार में 0.6 फीसदी तो दक्षिण बिहार में एक फीसदी उपभोक्ता हैं। कृषि कनेक्शन में उत्तर बिहार की तुलना में दक्षिण बिहार में इसकी संख्या अधिक है। उत्तर बिहार में मात्र 1.1 फीसदी तो दक्षिण बिहार में 4.4 फीसदी कृषि कनेक्शन हैं, जबकि अन्य श्रेणी में उत्तर बिहार में 0.2 फीसदी तो दक्षिण बिहार में 0.4 फीसदी कनेक्शन हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार बिहार में हर साल औसतन छह लाख बिजली उपभोक्ताओं की वृद्धि होने का अनुमान है।

बिहार के सहरसा में खुलेगा जीविका दीदियों का पहला मखाना उद्योग

चर्चा में क्यों ?

1 अक्तूबर, 2023 को सहरसा ज़िले के जीविका परियोजना प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सूक्ष्म एवं लघु क्लस्टर विकास योजना के तहत मखाना उद्योग का केंद्र सहरसा में स्थापित होगा।

प्रमुख बिंदु

- मखाना उद्योग लगाने के लिये 2 करोड़ 33 लाख 91 हज़ार रुपए की स्वीकृति मिली है। जीविका महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के तहत मखाना उद्योग संचालित होगा, जो मखाना का सामान्य सुविधा केंद्र के रूप में जाना जाएगा।
- डीएम वैभव चौधरी ने बताया कि मखाना प्रसंस्करण उद्योग में नॉर्मल (सामान्य) किस्म के मखाना की प्रोसेसिंग कर उसे उत्कृष्ट किस्म का बनाया जाएगा। उसकी पैकेजिंग कर ब्रॉंडिंग की जाएगी। मखाना से बने गुणवत्तापूर्ण विभिन्न किस्म के उत्पादों को देश के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार उपलब्ध कराया जाएगा।
- उत्पाद इस तरह के बनाए जाएंगे जिसकी बाज़ार में अलग पहचान हो और इसे देखते ही लोग खरीद लें। जीविका के ज़िला औद्योगिक स्तर की पैकेजिंग कर मखाना की आपूर्ति देश-विदेश में की जाएगी तथा डिजाइन व जाँच केंद्र के अलावा कच्चा माल डिपो की भी स्थापना होगी।
- इन केंद्रों पर नई तकनीक से गुणवत्तापूर्ण मखाना उत्पादन के संबंध में प्रशिक्षण देकर किसानों का कौशलवर्धन किया जाएगा।
- प्रसंस्करण उद्योग जीविका के द्वारा दरभंगा और कटिहार ज़िले में भी खाना प्रसंस्करण उद्योग खोलने की योजना है। ज़िले के आसपास के ज़िलों को यहाँ से जोड़कर मखाना की पैकेजिंग सहित अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। इन प्रखंड क्षेत्र के 500 मखाना उत्पादन से जुड़े किसानों को प्रोड्यूसर ग्रुप में जोड़ा गया है।

दृष्टि The Vision